	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा?																															
2. व्यर्थ से सदा मुक्त समर्थ स्थिति में रहे?																															
3. संपूर्ण पवित्रता के स्मृति स्वरूप रहे?																															
4. कर्म करते हुए स्वभाव सरल रहा?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															

नोट – निम्नलिखित स्वमान रविवार की अव्यक्त मुरलियों से लिये गए हैं।

सितम्बर 2015 के अनुभवयुक्त योगाभ्यास.....

1. मैं परमात्म ज्ञान की प्रूफ आत्मा हूं।
2. मैं प्रवृत्ति में रहते पर–वृत्ति में रहने वाली आत्मा हूं।
3. मैं सम्पूर्ण पवित्र जीवन वाली आत्मा हूं ।
4. मैं साक्षात परमात्मा से मिलन मनाने वाली आत्मा हूं।
5. मैं बाप के सर्व खजानों से भरपूर आत्मा हूं।
6. मैं भाग्यविधाता की सन्तान पदमापदम भाग्यवान आत्मा हूं।
7. मैं संगमयुग की प्रालब्ध स्वरूप आत्मा हूं।
8. मैं चेतन्य म्युजियम, प्रोजेक्टर, प्रदर्शनी हूं।
9. मैं दिव्य गुणमूर्त देवता स्वरूप हूं।
10. मैं शुभ भावना संपन्न परोपकारी आत्मा हूं।
11. मैं सर्वशक्तिमान की सन्तान विजयी पाण्डव हूं।
12. मैं परमपवित्र आत्मा हूं, महान आत्मा हूं।
13. मैं पवित्रता की सिद्धि स्वरूप आत्मा हूं।
14. मैं ईष्टदेव हूं, ईष्टदेवी हूं।
15. मैं विश्वकल्याण का पार्ट बजाने वाली विशेष आत्मा हूं।
16. मैं सर्वशक्तियों से सम्पन्न वरदानी आत्मा हूं।
17. मैं असमर्थ आत्माओं को एक्सट्रा बल देने वाली रहमदिल आत्मा हूं।
18. मैं होपलेस केस में होप पैदा करने वाली महादानी आत्मा हूं।
19. मैं संकल्प व स्वपन में भी परमपवित्र आत्मा हूं।
20. मैं एवररेडी, आलराउण्डर तीव पुरुषार्थी आत्मा हूं।
21. मैं मन्सा सेवा से वायुमंडल को पावरफुल बनाने वाली आत्मा हूं।
22. मैं सर्वसेवाकेंद्रों को निर्विघ्न बनाने वाली आत्मा हूं।
23. मैं विश्व को लाइट और माइट का वरदान देने वाली आत्मा हूं।
24. मैं नजर से निहाल करने वाली अनुभवीमूर्त आत्मा हूं।
25. मैं अंगद समान अचल अडोल, होली हंस आत्मा हूं।
26. मैं योगाग्नि को निरन्तर जलाए रखने वाली ज्वालामुखी आत्मा हूं।
27. मैं अतिसूक्ष्म, अति शक्तिशाली बिन्दू आत्मा हूं।
28. मैं रूहानी प्यार से भरपूर प्रभू का प्यारा हूं।
29. मैं शिवशक्ति कम्बाइंड साक्षात्कारमूर्त आत्मा हूं।
30. मैं संपूर्ण फरिश्ता स्वरूप सूक्ष्मवतनवासी हूं।